# बीआइएस के मानक पर तय होगी पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की सीमा

Jagran Bureau
11-03-2021

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की सीमा को 10 फीसद से बढ़ाकर 12 से 15 फीसद करने की दिशा में तैयारी शुरू कर दी गई है। सरकार ने बीआइएस (भारतीय मानक ब्यूरो) को इस संबंध में नया मानक बनाने का निर्देश दिया है। एथनॉल के उठाव में तेल कंपनियों की हीलाहवाली पर संसद में पूछे सवाल के जवाब में यह बात कही गई।

राज्यसभा में भाजपा के सुशील कुमार मोदी के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्रलय ने लिखित जवाब में बताया कि सरकारी तेल कंपनियों के पास 15 दिन की पेट्रोल की जरूरत के लिए आवश्यक 10 फीसद एथनॉल के भंडारण की सुविधा है। शोर-शराबे के चलते पूरक सवाल नहीं पूछा जा सका। गौरतलब है कि सरकार ने सितंबर, 2020 में ही बीआइएस को 12 और 15 फीसद एथनॉल मिश्रण का मानक तैयार करने का निर्देश दिया था, जो अब तक तैयार नहीं हुआ है। जबकि 20 फीसद एथनॉल मिलाने का मानक बहुत पहले ही बीआइएस ने तैयार कर लिया है। बीआइएस की इस उलटबांसी से चीनी उद्योग बहुत परेशान है।

मंत्रलय ने कहा कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा और बिहार जैसे राज्यों में एथनॉल की आपूर्ति जरूरी 10 फीसद से अधिक है। ऐसे राज्यों से उन प्रदेशों में आपूर्ति की जा रही है, जहां जरूरत है। तेल कंपनियां एथनॉल उत्पादक कंपनियों से सलाह मशविरा कर इसे पूरा कर रही हैं। हालांकि एथनॉल उत्पादक इससे असहमत हैं। उनका कहना है कि तेल कंपनियां मनमानी कर रही हैं। कंपनियां दूरदराज क्षेत्रों में एथनॉल आपूर्ति का आर्डर दे रही हैं, जो खर्चीला है। एथनॉल की ढुलाई के लिए दिया जा रहा किराया प्रति लीटर दो से तीन रुपये अधिक पड़ रहा है। चालू सत्र में पेट्रोल में मिश्रण के लिए 325 करोड़ लीटर एथनॉल का आवंटन किया गया है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने एथनॉल मिश्रण की मात्र को बढ़ाने के लिए खाद्य मंत्रलय को पत्र लिखा है। 2018 की एथनॉल पालिसी के तहत 2030 तक पेट्रोल में 20 फीसद तक एथनॉल मिलाने का प्रविधान किया गया था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने का समय अब घटाकर 2025 कर दिया गया है। 10 फीसद एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को 2022 तक प्राप्त करना था, जिसे 2020 में ही प्राप्त कर लिया गया।

' कंपनियों द्वारा एथनॉल के उठाव में आनाकानी का मुद्दा उठा

'>>उद्योग की मांग पर पेट्रोल में 15 फीसद एथनॉल मिलाने की तैयारी